सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मोः 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-275 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 09 जून , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह से मोदी सरकार की उपलब्धि-चन्द्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हालिया इंटरव्यू में देश की सुरक्षा, अल्पसंख्यक कल्याण और चुनावी सुधारों को लेकर अपने स्पष्ट विचार रखे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को केंद्र सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल रणनीति की सराहना की। साथ ही वक्फ अधिनियम और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसे जटिल मुद्दों पर भी अपना पक्ष साफ किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह से मोदी सरकार की उपलब्धि है और कोई अन्य नेता इतनी सटीकता से यह सैन्य कार्रवाई नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण था, जिसमें पतियों को पत्नियों के सामने मार डाला गया। लेकिन हमारी जवाबी कार्रवाई निर्णायक और सीमित रही।

20 मिनट में 9 आतंकी शिविर तबाह

सीएम नायडू ने बताया कि यह ऑपरेशन 7 मई को शुरू हुआ, जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी शिविरों को 20 मिनट के भीतर नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए, जबकि भारत ने नागरिकों और रक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना न बनाकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता, तो भारत को नुकसान हो सकता था।

पीएम मोदी को बताया वैश्विक नेता

नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूरे अभियान को कुशलता से नियंत्रित किया और संभावित युद्ध की स्थिति को टाल दिया। उन्होंने कहा, मोदी अब वैश्विक मंच पर एक मजबूत नेता

के रूप में उभर रहे हैं, जो भारत के लिए गर्व की बात है। राहुल गांधी के इस बयान पर कि भारत ने अमेरिका के दबाव में काम किया, नायडू ने कहा कि, हम आत्मनिर्भर देश हैं, ट्रंप को कौन कंट्रोल करेगा?

वक्फ अधिनियम पर नायडू का रुख

वक्फ अधिनियम को लेकर उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। उन्होंने वक्फ संपत्तियों के सही उपयोग की वकालत की और कहा कि, टीडीपी सभी धर्मों और समुदायों की पार्टी है। मुसलमानों के कल्याण के लिए वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी उपयोग जरूरी है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में अविभाजित आंध्र प्रदेश के 13 जिलों में उर्दू को दूसरी भाषा का दर्जा दिया गया था। हालांकि कांग्रेस और द्रुस्द्रुरू जैसे विपक्षी दलों ने इस अधिनियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, लेकिन नायडू ने इसे समुदाय के हित में बताया।

एक राष्ट्र, एक चुनाव' का समर्थन

चंद्रबाबू नायडू ने लंबे समय से लंबित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार चुनाव लोकतंत्र और प्रशासन को बाधित करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली में एक ही साल में दो-दो चुनाव हुए, अब बिहार की बारी है। इससे नीतिगत स्थिरता प्रभावित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि बार-बार आचार संहिता लगने से राज्य सरकारें सुचारू रूप से काम नहीं कर पातीं, इसलिए चुनावी सुधार जरूरी हैं।

पीलूपुरा में गुर्जर आंदोलन शांत, रेलवे ट्रैक खाली, प्रशासन ने सूझबूझ से सुलझाया मामला

भरतपुर। गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर भरतपुर के पीलूपुरा से एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। आरक्षण समेत कई मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को पीलूपुरा में गुर्जर समाज के लोगों द्वारा जाम किए गए रेलवे ट्रैक को पुलिस प्रशासन की समझाइश और सूझबूझ से आखिरकार खाली करा लिया गया। ट्रैक खाली होते ही कोटा-मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया गया और रेल यातायात सामान्य होने की दिशा में बड़ा कदम उठ गया।

महापंचायत के बाद भड़की भीड़, फिर संभला माहौल

गौरतलब है कि रविवार को बयाना के पीलूपुरा स्थित शहीद स्थल कारवारी में गुर्जर समाज की बड़ी महापंचायत आयोजित की गई थी। महापंचायत में समाज की ओर से सरकार के समक्ष आरक्षण, शहीद स्मारक के विकास, शहीदों के परिजनों को नौकरी और सुविधाओं समेत कई मुद्दे उठाए गए। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने पढ़कर सुनाया और समाज की सहमति से महापंचायत को समाप्त करने की घोषणा कर दी गई।

हालांकि, महापंचायत खत्म होने के कुछ देर बाद कुछ युवकों की भीड़ ने रेलवे ट्रैक पर पहुंचकर कोटा-मथुरा पैसेंजर को रोक दिया। आंदोलनकारियों ने ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया।

पुलिस अधीक्षक की सख्ती और समन्वय से ट्रैक खाली

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति पर पैनी नजर रखी। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की संयमित और संवेदनशील रणनीति के चलते आंदोलनकारियों को समझाया गया। सामाजिक प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार संवाद के बाद भीड़ को ट्रैक से हटने के लिए राजी किया गया।

करीब एक घंटे के प्रयास के बाद ट्रैक पूरी तरह से खाली कराया गया और वहां खड़ी कोटा-मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रवाना कर दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या झड़प की खबर नहीं है।

यातायात हुआ सुगम, पुलिस की सक्रियता से टली टकराव की आशंका

महापंचायत के दौरान प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक को डायवर्ट कर रखा था। बयाना से हिंडौन की ओर जाने वाले वाहनों को कलसाड़ा, करौली और महवा की ओर मोड़ा गया था, वहीं हिंडौन से भरतपुर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी भुसावर होते हुए निकाला गया। ट्रैक खाली होने और भीड़ के हटने के बाद अब सड़क और रेल यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

गृह राज्य मंत्री का बयान

इससे पहले राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने महापंचायत को लेकर बयान देते हुए कहा था कि 卐सरकार संवाद के लिए हमेशा तैयार है। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब सरकार टेबल पर बातचीत के लिए खुद आगे आ रही है तो आंदोलन और महापंचायत की आवश्यकता नहीं रह जाती।卐

शांति बनाए रखने की अपील

विजय बैंसला ने भी आंदोलनकारियों से शांति बनाए रखने और सरकारी स्तर पर हुई बातचीत का सम्मान करने की अपील की थी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, लेकिन आंदोलनकारियों की बातों को संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से सुना जाएगा।

महापौर सौम्या गुर्जर की पहल पर शुरू हुई योगमय जयपुर की मुहिम

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर की पहल पर जयपुर वासियों को फिर से एक बार योगमय बनाने की मुहिम का आगाज रविवार से हो गया है यह आगाज रविवार को झोटवाड़ा के बायोडायवर्सिटी पार्क से किया गया जहां नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर ने आमजन के साथ योगाभ्यास किया तथा बायोडायवर्सिटी पार्क में आमजन के साथ पौधारोपण भी किया

इस वर्ष योग शिविरों की सबसे खास बात यह है कि इन योग शिविरों को यज्ञ व प्रकृति के साथ जोड़ा गया है महापौर ने इस अवसर पर बताया कि इस वर्ष 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है इसलिए योग शिविरों को यज्ञ व प्रकृति के साथ भी जोड़ा गया है योग शिविरों में जब तक योगाभ्यास किया जाता है तब तक अनवरत रूप से यज्ञ भी किया जा रहा है इसके साथ ही प्रतिभागियों को भी उपहार स्वरूप पौधा वितरण किया जा रहा है। हर घर आंगन में योग पहुंचे हर घर हरा भरा हो यह हम सभी का प्रयास है। योग शिविरों में योगाचार्य कुल भूषण बैराठी योगाचार्य प्रीति, सतपाल जी, योगी मनीष द्वारा योगाभ्यास करवाये गये। आगामी शिविर 11 जून को स्मृति पार्क विद्याधर नगर ,सीकर रोड पर आयोजित किया जाएगा जहां आमजन द्वारा योगाभ्यास किया जाएगा।

भुसावर: कार में आग लगने से सरकारी डॉक्टर जिंदा जला

भरतपुर। भुसावर के वैर-भुसावर सड़क मार्ग पर थाने से 100 मीटर की दूरी पर एक कार असंतुलित होकर दीवार से टकरा गई। कार में लगी आग से एक डाक्टर कार में जिंदा जल गया। पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

कार में लगी आग पर काबू पाया

प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा भुसावर के सरकारी अस्पताल में चिकित्सक के पद

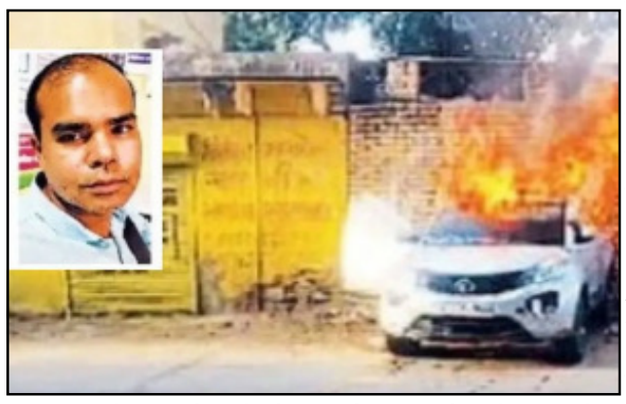

इस घटना की सूचना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। साथ ही पर सेवारत विनोद मीणा अपनी कार को चलाते समय गाड़ी का संतुलन खो बैठे। गाड़ी बैक करते समय सड़क को पार कर पीछे मकान की दीवार से जा कर टकरा गई। जिसके बाद कार एक आग के गोले में बदल गई। कार में भयंकर आग लग जाने से चिकित्सक गाड़ी से बाहर नहीं निकल सके। सूचना पर तुरन्त भुसावर पुलिस मय अग्निशमन वाहन के घटनास्थल पर पहुंची। दमकलकर्मियों तथा घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने कार में लगी आग पर काबू पाया।

पुलिस ने दी परिजनों को घटना की जानकारी

मौके पर गई भुसावर पुलिस ने मृतक चिकित्सक विनोद मीणा के शव को भुसावर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस ने मृतक चिकित्सक विनोद मीणा के परिजनों को घटना की जानकारी दी है।

डूंगरपुर में दर्दनाक हादसा, हार्ट अटैक से दूल्हे की मौत, शादी के दिन घर से निकली अर्थी, परिवार में मचा हाहाकार

आज होगा शव का पोस्टमार्टम

पुलिस ने बताया कि मृतक चिकित्सक विनोद कुमार मीणा बजीरपुर के पढ़के गांव का निवासी है। मृतक चिकित्सक विनोद कुमार मीणा का रविवार को उनके परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मृतक अपने पीछे एक लड़का छोड़ गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपत्नीक किए गोविन्द देव जी के दर्शन

राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए की प्रार्थना

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह सपत्नीक श्री गोविन्द देव जी मंदिर में मंगला आरती के दर्शन किए। उन्होंने निर्जला एकादशी के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

शर्मा ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस अवसर पर मंदिर के महंत ने मुख्यमंत्री को गोविन्द देवी जी का चित्र एवं प्रसाद भेंट किया।

फर्जी योजनाओं से ठगी-सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी पकड़ रहे ठगी की राह

वन स्टूडेंट वन लैपटॉप, पीएम बेरोजगारी जैसी तमाम योजनाओं के नाम पर धोखाधड़ी

12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों के बाद देशभर में उत्साह का माहौल है, लेकिन इस बीच यूट्यूब, फेसबुक, टेलीग्राम और विभिन्न ब्लॉग्स पर 'वन स्टूडेंट वन लैपटॉप', 'पीएम बेरोजगारी भत्ता' और 'मुफ्त 5-स्टार एसी' जैसी फर्जी योजनाओं की खबरें वायरल हो रही हैं। ये भ्रामक दावे छात्रों और आम लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) ने स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार ऐसी कोई योजना नहीं चला रही।

सरकार और यूट्यूब इन फर्जीवाड़ों पर नजर रख रहे हैं, और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। फर्जी योजनाओं के नाम पर यूट्यूबर्स सनसनीखेज ये चैनल्स अधिक व्यूज और सब्सक्राइबर्स के चक्कर में भ्रामक जानकारी फैलाते हैं, जिससे उनकी कमाई बढ़ती है। कई बार लोग इन ड्क्षलक्स पर क्लिक कर निजी जानकारी साझा करते हैं, जिससे साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं।

सरकार फर्जी खबरों पर कड़ी नजर रख रही है। यूट्यूब की कम्युनिटी गाइडलाइंस के तहत भ्रामक कंटेंट, कॉपीराइट उल्लंघन या ठगी से जुड़े चैनल्स को स्ट्राइक दी जा सकती है। तीन स्ट्राइक मिलने पर चैनल हटाया जा सकता है। दर्शक भी 'रिपोर्ट' बटन के जरिए ऐसी सामग्री की शिकायत कर सकते हैं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी योजनाओं पर भरोसा न करें और ठगी से बचने के लिए सतर्क रहें।

फर्जी योजनाओं का भंडाफोड़

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और थंबनेल्स में दावा किया जा रहा है कि सरकार मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप, बेरोजगार युवाओं को मासिक भत्ता, और आम लोगों को 5-स्टार एसी मुफ्त दे रही है। ये दावे पूरी तरह झूठे हैं। यूट्यूबर्स और इन्फ्लुएंसर इन योजनाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों के साथ प्रचारित कर भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। लेकिन पीआईबी ने इन दावों का खंडन करते हुए लोगों से आधिकारिक स्रोतों, जैसे सरकारी वेबसाइट्स, से जानकारी सत्यापित करने की अपील की है।

सुरक्षा के लिए सुझाव

सरकारी योजनाओं की जानकारी वेबसाइट्स से लें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें और निजी जानकारी साझा न करें। फर्जी योजनाओं के बारे में परिवार और दोस्तों को बताएं।

अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें

किसी भी तरह के अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करें। बच्चों को भी जागरूक कर रहे हैं। यदि कोई फर्जी लिंक या सूचना शेयर करता है तो उस पर कार्रवाई की जा सकती है। सरकार भी अवेयरनैस के लिए हैलो ट्यून लगाती है। किसी के साथ भी कोई साबइर अपराध होता है तो तुरंत 1930 पर संपर्क करें।

2 किमी टैंकर दौड़ाकर रोका गैस रिसाव, जयपुर-अजमेर हाईवे पर टला हादसा, 17 टन गैस से भरा था टैंकर

जयपुर। जयपुर.दूदू. जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह दूदू थाना क्षेत्र में दूदू और गिदानी के बीच एलपीजी गैस से भरे टैंकर से गैस का रिसाव होने से हड़कंप मच गया। टैंकर में 17 टन एलपीजी भरी थी। समय रहते चालक की हिम्मत और प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। वरना हाईवे पर फिर से भांकरोटा जैसा अग्निकांड हो सकता था।

सीओ दूदू दीपक खंडेलवाल व थानाप्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे इंडेन कंपनी के टैंकर के चालक मनीष गौतम (निवासी प्रतापगढ़, उत्तरप्रदेश) रिसाव की भनक लगते ही अपनी जान की परवाह किए बगैर वाहन को हाईवे से दूर सुनसान जगह लेकर पहुंचा और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

सूचना मिलते ही एस डीआरएफ, आइओसी, प्रशासन, दमकल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। टैंकर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उसका तापमान नियंत्रित किया गया और गैस दूसरे टैंकर में ट्रांसफर की गई। घटनास्थल के आसपास कई पेट्रोल

पंप और गैस गोदाम भी थे। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बड़ा विस्फोट हो सकता था। टैंकर चालक की बहादुरी और पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी से भांकरोटा जैसी दुर्घटना टल गई।

अधिकारियों ने लगाई दौड़

एलपीजी टैंकर से गैस रिसाव की सूचना मिलते ही अतिरिक्त जिला कलक्टर दूदू गोपाल परिहार, उपखंड अधिकारी योगेश सिंह देवल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल, तहसीलदार मदन परमार, थानाधिकारी मुकेश कुमार, नायब तहसीलदार कन्हैयालाल, गिरदावर संपत लाल सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। एसडीआरएफ व आईओसीएल की टीम भी मौके पर पहुंची। दूसरे टैंकर में रिफलिंग होने तक अधिकारी मौजूद रहे।

सूझबूझ से टाला हादसा

टैंकर चालक मनीष गौतम ने बताया कि वह एलपीजी से भरा टैंकर कांडला (गुजरात) से करनाल लेकर जा रहा था। पांच जून को रवाना हुए टैंकर में शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दूदू के पास गैस रिसाव का पता चला। स्थिति को भांपते हुए वह तुरंत भीड़भाड़ से दूर सुनसान इलाके में टैंकर ले गया और वाहनों की आवाजाही रुकवाई। पुलिस कंट्रोल रूम में घटना की सूचना दी और हाईवे से करीब दो किलोमीटर दूर टैंकर खड़ा कर लकड़ी का गुट्ठा लगाकर रिसाव रोका। सेफ्टी वॉल के पास से गैस लीक हो रही थी।

इंफोसिस ने गिफ्ट सिटी में नया विकास केंद्र खोला

नई दिल्ली।

इंफोसिस ने गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में एक नया विकास केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र वैश्विक बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) ग्राहकों के लिए समाधान विकसित करेगा। इस केंद्र का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने किया और इसमें 1,000 से अधिक कर्मचारियों को समायोजित करने की क्षमता है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह एक प्रमुख प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो वैश्विक बीएफएसआई ग्राहकों के लिए उन्नत डिजिटल समाधान देगा। इसमें बताया गया कि केंद्र की सेवाएं डिजिटल बैंकिंग, नियामक मामलों, व्यापार वित्त, पूंजी बाजार, कार्ड और भुगतान, जोखिम और अनुपालन प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैली होंगी।

वाहन उद्योग ने चीन से दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात में सरकार से मदद मांगी

नई दिल्ली।

वाहन उद्योग ने यात्री कारों सहित विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों के आयात के लिए चीन की सरकार से मंजूरी में तेजी लाने के लिए सरकार से मदद की गुहार लगाई है। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले चुंबकों की आपूर्ति में वाहन उद्योग को बड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तक कोई अनुमति नहीं मिली है और व्यापारिक संबंध को दरकिनार करना पड़ सकता है। चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और संबंधित चुंबकों के लिए निर्यात लाइसेंस को अनिवार्य बनाया है, जिससे उपयोगकर्ताओं को पहले अनुमति प्राप्त करनी होगी। इस स्थिति में, वाहन उद्योग के व्यापारिक अनुभवी ने भविष्य के लिए चुंबकों की आपूर्ति में बड़ी कठिनाइयां आने की संभावना देखी है।

रेपो रेट में कटौती से फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वालों को होगा लाभ

पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े लोगों को नहीं मिलेगा फायदा

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे रेपो रेट 5.50 प्रतिशत हो गई है। इस कटौती से होम लोन और कार लोन जैसे ऋण सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, इसका फायदा रेपो रेट लिंक्ड फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ही होगा। जिन ग्राहकों के लोन अभी भी पुराने बेस रेट या एमसीएलआर से जुड़े हैं, उन्हें रेपो रेट में कटौती का कोई फायदा नहीं मिलेगा और ज्यादा ब्याज चुकाना होगा। वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि इस समय ग्राहकों को रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैंक बाजार डॉट कॉम के एक अधिकारी का कहना है कि रेपो-लिंक्ड लोन में स्विच करने पर विचार करना खासतौर पर इस समय जरूरी है क्योंकि आरबीआई ने इस साल 2025 में तीसरी बार रेपो रेट घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट ज्यादा पारदर्शी है और रेपो रेट में बदलाव का असर तुरंत दिखता है। उदाहरण के लिए अगर किसी के पुराने एमसीएलआर लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 8.5 प्रतिशत है और वे 7.5 प्रतिशत के आसपास रेपो लिंक्ड होम लोन में स्विच करते हैं, तो उनकी ईएमआई में कमी होगी। अधिकारी का कहना है कि यदि आपका मौजूदा बैंक रेपो रेट में कटौती का फायदा नहीं दे रहा है, तो बैलेंस ट्रांसफर का विकल्प के बारे में सोचें।

भारत में 2022-23 में गरीबी घटकर 5.3 फीसदी हो गईः विश्व बैंक

नई दिल्ली।

भारत की अत्यधिक गरीबी दर में एक बड़ा उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है। 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में सिर्फ 5.3 प्रतिशत रह गई है। विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा को संशोधित कर तीन डॉलर प्रति दिन अपडेट किया है। तीन डॉलर की संशोधित गरीबी रेखा ने 2021 की कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे 2022-23 में गरीबी दर 5.3 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत में 54,695,832 लोग तीन डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवन यापन कर रहे थे। इससे तीन डॉलर प्रतिदिन पर गरीबी दर 5.44 प्रतिशत है। रिपोर्ट ने दर्शाया कि अत्यधिक गरीबी की दर 16.2 प्रतिशत से घटकर 2.3 प्रतिशत हो गई है और निम्न मध्यम आय वाले देशों में गरीबी दर में 33.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। गरीबी कम करने में मुफ्त और रियायती खाद्यान्न हस्तांतरण का महत्वपूर्ण योगदान है, जिससे ग्रामीण-शहरी गरीबी का अंतर कम हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 54 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते हैं। अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, रिपोर्ट ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 तक भारत की वास्तविक जीडीपी महामारी-पूर्व प्रवृत्ति स्तर से लगभग पांच प्रतिशत कम थी। विश्व बैंक की रिपोर्ट ने बताया कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं को व्यवस्थित तरीके से हल कर लिया गया है, और 2027-28 तक वृद्धि धीरे-धीरे संभावित स्तर पर वापस आ जाएगी। इस रिपोर्ट में व्यापार तनाव के मामले में भारत के निर्यात की मांग कम होने और निवेश में देरी की संभावना दर्ज की गई है। चालू खाता घाटा 2026-28 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के औसतन 1.2 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है।

हुंदै, मारुति सुजुकी को निर्यात में मजबूत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में निर्यात में अच्छी वृद्धि की उम्मीद है। हुंदै मोटर इंडिया चालू वित्त वर्ष में मात्रा के लिहाज से अपने निर्यात में एकल अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रही है। दूसरी ओर मारुति सुजुकी अपने निर्यात में मात्रा के लिहाज से लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। हुंदै मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने एक बातचीत के दौरान विश्लेषकों को बताया कि हमारा लक्ष्य दक्षिण कोरिया के बाहर हुंदै का सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बनना है। हम आने वाले वर्षों में निर्यात में अपनी वृद्धि को जारी रखने की आकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में निर्यात में मजबूत गति आई है। हुंदै मोटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,63,386 वाहनों का निर्यात किया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 1,63,155 इकाई था। दूसरी ओर मारुति सुजुकी इंडिया का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में निर्यात बाजारों में चार लाख इकाई बेचने का है।

लोकप्रिय हैचबैक कार अल्ट्रोज का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक कार अल्ट्रोज का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। देशभर की डीलरशिप पर यह नई टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट पहुंचनी शुरू हो गई है। इसकी डिलीवरी भी जल्द ही शुरू होने जा रही है। ग्राहक अपनी नजदीकी टाटा डीलरशिप पर जाकर नई अल्ट्रोज की बुकिंग कर सकते हैं। इस अपडेटेड मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 6.89 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप वेरिएंट के लिए 11.49 लाख रुपये तक जाती है। नई अल्ट्रोज के लुक्स में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इसमें नया फ्रंट ग्रिल, डे-टाइम रनिंग लाइट्स, फुल-एलईडी स्प्लिट हेडलाइट्स और नया डिज़ाइन किया गया बंपर शामिल हैं। केबिन में भी इस फेसलिफ्ट मॉडल को पहले से ज्यादा मॉडर्न और प्रीमियम बनाया गया है। इसमें अब क्लीन डैशबोर्ड डिजाइन, 10.25-इंच ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक सनरूफ, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, ऑटो एसी कंट्रोल, एम्बिएंट लाइटिंग और 360-डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इंजन ऑप्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कार में पहले की तरह ही 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन, 1.5-लीटर डीजल इंजन और सीएनजी वर्जन की सुविधा मिलती है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला हुंडई आई 20, मारुति बलेनो और टोयोटा ग्लैंजा जैसी प्रीमियम हैचबैक कारों से होगा। इसके अलावा, फ्लश-फिटिंग इल्यूमिनेटेड डोर हैंडल और नए 16-इंच के 5-स्पोक अलॉय व्हील्स इसके प्रीमियम लुक को और निखारते हैं।

वैश्विक रुझान, मुद्रास्फीति के आंकड़े से तय होगी बाजार चाल

मानसून की प्रगति और बुवाई के रुझानों से भी बाजार प्रभावित होगा

मुंबई।

बीते सप्ताह एक फीसदी की तेजी पर बंद हुए शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों को यह उम्मीद है। इसके अलावा मानसून की प्रगति और व्यापार वार्ता से संबंधित घटनाक्रमों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि कारोबारियों की नजर प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़ों पर होगी। मांग के रुझान और केंद्रीय बैंक के अगले कदमों का अनुमान लगाने के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति जैसे उच्च आवृत्ति संकेतकों पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मानसून की प्रगति और बुवाई के रुझानों से भी बाजार प्रभावित होगा, क्योंकि इनका असर ग्रामीण खपत पर होता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर व्यापार वार्ता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उतार-चढ़ाव से

निवेशकों की भावना प्रभावित होगी। बाजार के एक अन्य जानकार कहते हैं कि हमें उम्मीद है कि भारतीय बाजारों में धीरे-धीरे तेजी आएगी, जिसे आरबीआई द्वारा उम्मीद से अधिक ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर आशावाद से समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बीच अमेरिकी शुल्क में अप्रत्याशित बदलाव और मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव सहित वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अस्थिरता पैदा हो सकती है। मुद्रास्फीति में कमी और आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में की गई आक्रामक कटौती से वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा बढ़ने की संभावना है।

यूट्यूब के आईओएस ऐप का नया अपडेट वर्जन लांच

नई दिल्ली।

पुराने आईफोन और आईपेड मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहे यूजर्स के लिए बुरी खबर है। ऐसे फोन्स के यूजर्स को अब यूट्यूब चलाने में दिक्कत पेश आएगी।

यूट्यूब ने अपने आईओएस ऐप का नया अपडेट वर्जन 20.22.1 जारी कर दिया है, जो 3 जून 2025 से लागू हो चुका है। इस अपडेट के बाद अब यूट्यूब ऐप केवल आईओएस या आईपेडओएस 16.0 और उससे ऊपर के वर्जन पर ही काम करेगा।

इसका सीधा असर उन यूजर्स पर पड़ा है जो पुराने आईफोन और आईपेड मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहे थे। आईफोन 6, आईफोन 7, आईफोन एसई (पहली जेनरेशन), आईपेडस मिनी 4 और आईपेडस एयर 2 जैसे डिवाइसेज़ अब यूट्यूब ऐप को सपोर्ट नहीं करेंगे, क्योंकि ये डिवाइसेज़ आईओएस 16 तक अपडेट नहीं हो सकते।

इस बदलाव का मतलब है कि इन डिवाइसेज़ पर अब यूट्यूब ऐप के जरिए न तो वीडियो स्ट्रीमिंग की जा सकेगी, न ही प्लेलिस्ट या अकाउंट एक्सेस किया जा सकेगा। यह फैसला लाखों यूजर्स के लिए झटका है जो अभी तक अपने पुराने उपकरणों पर यूट्यूब का नियमित रूप से इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि, एक अस्थायी समाधान के तौर पर वे अपने ब्राउज़र, जैसे सफारी का उपयोग करके यूट्यूब वेबसाइट देख सकते हैं, लेकिन यह ऐप जितना आसान और सुगम अनुभव नहीं देगा।

यूट्यूब की ओर से इस बदलाव को लेकर सफाई दी गई है कि यह निर्णय नए फीचर्स और बेहतर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। ऐसे में डेवलपर्स को मजबूरी में पुराने सिस्टम्स का सपोर्ट हटाना पड़ता है, ताकि वे भविष्य की तकनीकों और यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बना सकें। कंपनी का कहना है कि पुराने ऑपरेटिंग सिस्टम्स के लिए ऐप को मेंटेन करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि वे नई सिक्योरिटी और परफॉर्मेंस तकनीकों को सपोर्ट नहीं कर पाते।

एफपीआई ने जून में इक्विटी से 8,749 करोड़ निकाले

नई दिल्ली।

विदेशी निवेशकों ने इस महीने के पहले सप्ताह में भारतीय इक्विटी बाजारों से 8,749 करोड़ रुपये की निकासी की। ऐसा अमेरिका-चीन के बीच नये सिरे से व्यापार तनाव बढ़ने और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के कारण हुआ। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले मई में 19,860 करोड़ रुपये और अप्रैल में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। ताजा निकासी के साथ, 2025 में अब तक कुल निकासी 1.01 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जानकारों ने कहा कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव बढ़ने और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी के चलते निकासी हुई है। मंदी की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर जा रहे हैं। इसके अलावा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों का कथित रूप से उल्लंघन करने पर अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिका में जांच शुरू होने की खबरों ने भी निवेशकों के विश्वास को कम किया। हालांकि आरबीआई के रेपो दर में आधा प्रतिशत की कटौती से बाजार की भावना मजबूत हुई।

सेबी ने इंडसइंड बैंक के आदेश को संशोधित किया

चल रही जांच के बीच शीर्ष अधिकारियों के नाम किए घोषित

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक लिमिटेड के खिलाफ अपने अंतरिम आदेश में एक महत्वपूर्ण संदर्भ जारी किया है।

जांच में पाया गया कि बैंक ने वित्तीय नुकसान की सूचना छिपाई और निष्कर्षों को स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया। इसके चलते समर्थन और भ्रष्टाचार कर्मीयों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सेबी ने चार वरिष्ठ अधिकारियों को भी नामित किया है जिन्हें प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है। बैंक की स्थिति के बारे में आरबीआई गवर्नर ने जानकारी दी कि सभी प्रयास बैंक को स्थिर करने के दिशा में हो रहे हैं। इसके साथ ही बैंक ने लेखा मानकों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए हैं जिससे उसका प्रदर्शन भी सुधर रहा है। सेबी ने पाया कि बैंक ने 10 मार्च, 2025 तक इन निष्कर्षों का स्टॉक एक्सचेंजों को खुलासा नहीं किया, न ही 4 मार्च, 2025 तक जानकारी को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील डेटा के रूप में चिह्नित किया।

केपीएमजी ने कथित तौर पर विशिष्ट लेखांकन प्रविष्टियों सहित संख्याओं को सत्यापित करने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ

आगे की चर्चा की। अपने अंतरिम आदेश में, सेबी ने मामले में उनकी कथित भूमिकाओं के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को नामित किया: अरुण खुराना, पूर्व कार्यकारी निदेशक और डिप्टी सीईओ; सुशांत सौरव, ट्रेजरी संचालन के प्रमुख; रोहन जथन्ना, जीएमजी संचालन के प्रमुख; और अनिल मार्को राव, उपभोक्ता बैंकिंग संचालन के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी। इन व्यक्तियों को अगली सूचना तक किसी भी रूप में प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या उनमें सौदा करने से रोक दिया गया है।

भारतीय बाजार में एक्सयूवी 9ई और बीई 6 को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की दो प्रमुख इलेक्ट्रिक एसयूवी, एक्सयूवी 9ई और बीई 6 को भारतीय बाजार में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। जानकारी के अनुसार, अब तक इन कारों की 10,000 से अधिक यूनिट्स की डिलीवरी हो चुकी है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि औसतन हर 10 मिनट में इन एसयूवी की एक यूनिट बेची जा रही है। महिंद्रा ने इनकी डिलीवरी 20 मार्च 2025 से शुरू की थी और शुरुआती दौर में पूरी तरह से लोडेड पैक थ्री वर्जन पर ध्यान केंद्रित किया गया था। एक्सयूवी 9ई की मांग सबसे अधिक देखी जा रही है, खासकर इसके रेंज-टॉपिंग पैक थ्री वेरिएंट की। लॉन्च के दिन ही इन इलेक्ट्रिक कारों को 30,179 बुकिंग मिली थीं, जो इस सेगमेंट में एक रिकॉर्ड माना जा रहा है। बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने दोनों मॉडलों का उत्पादन तेज कर दिया है। महिंद्रा एक्सयूवी 9ई की लंबाई 4789 मिमी, चौड़ाई 1907 मिमी, ऊंचाई 1694 मिमी और व्हीलबेस 2775 मिमी है। इसमें 663 लीटर का बूट स्पेस और 150 लीटर का फ्रंट ट्रंक यानी फ्रंक दिया गया है। यह दो बैटरी विकल्पों में आती है - 59 केडब्ल्यूएच और 79केडब्ल्यूएच। 59केडब्ल्यूएच वैरिएंट में 231 हॉर्सपावर की मोटर है जो 542 किमी की रेंज देती है, जबकि 79 के डब्ल्यूएच वैरिएंट में 286 हॉर्सपावर की मोटर है और इसकी रेंज 656 किमी है। दोनों मॉडल फास्ट चार्जिंग तकनीक से लैस हैं और 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकते हैं।

अंबानी की कंपनी एफकॉन्स को मिला 700 करोड का ऑर्डर

नई दिल्ली।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्रदान किया गया है। जानकारी के मुताबिक एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने गुजरात के दाहेज में विनाइल प्रोजेक्ट पर सिविल, मैकेनिकल, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग कार्यों के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज से 700 करोड़ रुपये का अनुबंध हासिल किया है। इस परियोजना को जून 2026 तक पूरा करने की योजना है। 31 मार्च को समाप्त मार्च तिमाही में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का नेट प्रॉफिट 23 फीसदी घटकर 110.92 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 144.90 करोड़ रुपये था। इससे पिछली तिमाही में कंपनी को 148.85 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। वहीं परिचालन से प्राप्त राजस्व वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 3,223.27 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 3,636.43 करोड़ रुपये था। इस तिमाही नतीजे के साथ ही एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 2.50 रुपये के डिविडेंड को मंजूरी दी थी। इसके अलावा कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (पूर्णकालिक निदेशक) सुब्रमण्यम कृष्णमूर्ति ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि डेब्ट मीट्रिक में पर्याप्त सुधार हुआ। हमारी ऑर्डर बुक 36,869 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें 10,662 करोड़ रुपये की एल 1 परियोजनाएं शामिल नहीं हैं।

महिंद्रा बनी दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी

नई दिल्ली।

लंबे समय तक नंबर-2 स्थान पर काबिज रही हुंडई और टाटा को पीछे छोड़ते हुए महिंद्रा ने दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बनने का स्थान हासिल किया है। मई 2025 के ऑटो इंडस्ट्री के बिक्री आंकड़े सामने आए हैं, जिनमें कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं।

मई महीने महिंद्रा ने 52,431 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल के 43,218 की तुलना में 21.3प्रतिशत की बढ़त है। मारुति सुजुकी अब भी शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन उसे 5.6प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी ने मई 2025 में 1,35,962 यूनिट्स बेचीं, जबकि मई 2024 में यह संख्या 1,44,002 थी। हुंडई ने 43,861 यूनिट्स बेचीं, जिसमें 10.8प्रतिशत की गिरावट आई है। टाटा मोटर्स की बिक्री 41,557 यूनिट्स रही, जो 11प्रतिशत कम है। टोयोटा, किआ और एमजी मोटर ने इस महीने बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। टोयोटा की बिक्री 22.2प्रतिशत, किआ की 14.4प्रतिशत और एमजी मोटर की 32.2प्रतिशत बढ़ी है। लेकिन सबसे बड़ा उछाल स्कोडा ने दिखाया है, जिसने 6,740 यूनिट्स बेचकर 133.7प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हासिल की है। वहीं, होंडा, फॉक्सवैगन, रेनो, निसान, सिट्रोन और जीप को भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है। होंडा की बिक्री में

18.1प्रतिशत, निसान में 38.8प्रतिशत और रेनो में 32.5 प्रतिशत की कमी आई है। कुल मिलाकर, मई 2025 में भारत में 3,49,713 कारें बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में लगभग स्थिर हैं।

भारत ने अमेरिका पर बनाया 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ हटाने का दबाव

नई दिल्ली।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया में हलचल मची हुई है। इसी कड़ी में भारत और अमेरिका के बीच अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते की दिशा में चल रही वार्ताओं में 10 प्रतिशत बेसलाइन आयात शुल्क का मुद्दा सबसे प्रमुख बन गया है। यह शुल्क ट्रंप प्रशासन ने 2 अप्रैल को सभी देशों से होने वाले आयात पर लगाया था। अब भारत चाहता है कि अमेरिका इस टैरिफ को पूरी तरह खत्म करे। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारतीय वार्ताकारों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ब्रिटेन के मॉडल को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं, जिसमें अमेरिका और यूके के बीच हुए समझौते के बावजूद ब्रिटिश वस्तुओं पर बेसलाइन शुल्क जारी है।

भारत की ओर से वार्ता में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने अमेरिका से आग्रह किया है कि 10 प्रतिशत बेसलाइन शुल्क के साथ-साथ 9 जुलाई से प्रस्तावित अतिरिक्त 16 प्रतिशत शुल्क को भी पूरी तरह से हटाया जाए। उन्होंने कहा, आदर्श स्थिति में समझौता होने के बाद दोनों टैरिफ (10 प्रतिशत और अतिरिक्त 16 प्रतिशत) को एक साथ समाप्त किया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो भारत को भी समान और आनुपातिक टैरिफ बनाए रखने का अधिकार रहेगा।यह बयान 13 फरवरी को वाशिंगटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी संयुक्त बयान के आधार पर दिया गया, जिसमें मिशन-500 के तहत वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था। एक अन्य अधिकारी ने भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि केवल वही समझौता दीर्घकालिक टिकाऊ हो सकता है जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो।

उन्होंने कहा, अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था। इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और जनस्वीकार्य होना चाहिए।

भारत का मानना है कि दोनों देशों के व्यापार हित प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। इसलिए भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अधिक बाजार पहुंच देने को तैयार है, बशर्ते अमेरिका भी उसी भावना से जवाब दे। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के सहायक ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में एक अमेरिकी वार्ताकार टीम 4 जून को दिल्ली पहुंची है।

यह पांचवीं बार है जब दोनों देशों के वार्ताकार आमने-सामने बातचीत कर रहे हैं। पहले यह दौरा दो दिन का माना जा रहा था, लेकिन अब यह 10 जून तक चलेगा। इस दौर की बातचीत में टैरिफ सहित कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा चल रही है। इसके बाद अगला दौर अमेरिका में होगा।बता दें कि दोनों पक्ष 9 जुलाई से पहले एक अंतरिम (अर्ली हार्वेस्ट) व्यापार समझौता करने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। इसके बाद सितंबर-अक्टूबर 2025 में प्रथम चरण का द्विपक्षीय व्यापार समझौता लाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एक्सिओम-4 मिशन 10 जून को भरेगा उड़ान, शुभांशु देंगे मिशन को अंजाम

नई दिल्ली।

शुभांशु शुक्ला द्वारा संचालित प्रतिष्ठित एक्सिओम-4 मिशन 10 जून यानी मंगलवार सुबह अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेगा। यह मिशन भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर होगा। एक्स-4 चालक दल नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर में एलसी-39ए से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होगा। यह अमेरिका, भारत, पोलैंड और हंगरी के चार अंतरिक्ष यात्रियों को 14-दिन डॉकिंग मिशन के लिए निम्न पृथ्वी कक्षा में ले जाएगा। इसमें कई प्रयोग किए जाएंगे, जिनमें से 7 इसरो अंजाम देगा। एएक्स -4 मिशन भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए मानव अंतरिक्ष यान की वापसी को साकार करेगा। इसमें हर देश की 40 से ज्यादा सालों में पहली सरकारी प्रायोजित उड़ान होगी। जबकि एएक्स-4 इन देशों के इतिहास में दूसरा मानव अंतरिक्ष यान मिशन है, यह पहली बार होगा जब तीनों देश आईएसएस पर एक मिशन को अंजाम देंगे। इसरो आगामी एक्सिओम-4 एक्सिओम इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन मिशन के दौरान सात माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान प्रयोग करेगा।

मोदी सरकार के अथक प्रयासों को दिखा असर....देश में गरीबों की संख्या 34 से घटकर 7.5 करोड़ रह गई

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीबों की संख्या में आई कमी

नई दिल्ली।

भारत ने विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में बड़ी सफलता पा ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार के 11 सालों के दौरान अत्यधिक गरीबी दर 27.1 प्रतिशत से घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत रही है। यह आंकड़ा साल 2011-12 से 2022-23 तक का है, जिसमें गरीबों की संख्या करीब 34 से घटकर 7.5 करोड़ रह गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, गरीबी रेखा को विश्व बैंक ने संशोधित कर 3 डॉलर प्रति दिन कर दिया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी दर 18.4 से 2.8 प्रतिशत पर आ गई, जबकि शहरी इलाकों में यह 10.7 से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गई है। इस तरह ग्रामीण-शहरी गरीबी का अंतर भी 7.7 प्रतिशत से घटकर केवल 1.7 प्रतिशत हो गया है। विश्व बैंक ने मोदी सरकार की मुफ्त राशन और सब्सिडी आधारित खाद्य योजना को गरीबी घटाने में अहम योगदान दिया है। हालांकि, रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था पर भी टिप्पणी की गई है। कोविड महामारी के बाद भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अभी तक महामारी पूर्व स्तर से करीब 5 प्रतिशत नीचे है। वैश्विक व्यापार तनाव और नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण आने वाले वर्षों में आर्थिक वृद्धि धीमी रह सकती है।

महाराष्ट्र में 86 नए कोविड संक्रमित मरीजों की पुष्टि, कुल संख्या 595

749 मरीज ठीक होकर घर लौट गए

मुंबई।

महाराष्ट्र सरकार में स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 से जुड़ी ताजा स्थिति की जानकारी जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में रविवार को 86 नए कोविड संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है, इससे सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 595 हुई है। अच्छी खबर यह है कि 749 मरीज ठीक होकर घर लौट गए हैं, इससे रिकवरी रेट में सुधार हुआ है। वहीं, जनवरी 2025 से अब तक राज्य में कोविड से कुल 18 मौतें दर्ज हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, जनवरी से अब तक कुल 16,226 सैंपलों की जांच हुई है, जिसमें से 1,362 सैंपल संक्रमित मिले हैं। इसमें से 640 मामले सिर्फ मुंबई से सामने आए हैं। शनिवार को मिले 86 नए मामलों में मुंबई से 28, पुणे से 33, ठाणे से छह, पीसीएमसी (पिंपरी-चिंचवाड़) से सात, मीरा-भायंदर से दो, छत्रपति संभाजीनगर तथा नागपुर से तीन-तीन और सातारा तथा कोल्हापुर से एक-एक मरीज शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में कोविड मामलों की संख्या में समय-समय पर वृद्धि देखी जा रही है, जो केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य राज्यों और कुछ देशों में भी इसी तरह की स्थिति देखी जा रही है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने, मास्क पहनने, भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने और स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

राफेल विमान को लेकर भारत-फ्रांस में टेंशन, चीन-पाकिस्तान फैला रहे प्रोपेगेंडा

फ्रांस ने कहा-सूचनाओं का युद्ध चल रहा, अगले हफ्ते बातचीत करने जाएंगे जयशंकर

नई दिल्ली।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले हफ्ते पेरिस जाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जयशंकर राफेल लड़ाकू विमान पर चीन और पाकिस्तान की तरफ से फैलाए प्रोपेगेंडा को लेकर फ्रांस से बातचीत करेंगे। उनकी पेरिस यात्रा का मकसद ये तय करना है कि किसी भी देश को भारत और फ्रांस की दोस्ती पर शक ना रहे। खासकर फ्रांस के राफेल लड़ाकू विमानों की क्वालिटी को लेकर जो बातें चीनी मीडिया और राफेल विरोधी फैला रहे हैं। उन्हें दूर करना जरूरी है। बता दें पाकिस्तान और चीन ने हाल ही में एक संगठित अभियान चलाकर यह नैरेटिव फैलाया है कि भारत के राफेल फाइटर जेट्स, जो फ्रांस से खरीदे गए हैं, चीन-पाकिस्तान के सामने असहाय साबित हुए। पाकिस्तान का दावा है कि पिछले महीने भारत के साथ हुए संघर्ष में उसने राफेल गिराए हैं, जबकि भारत ने ये तो कहा है कि उसके विमान गिराए गए हैं, लेकिन ये नहीं कहा है कि कौन सा विमान गिराया है। जबकि पाकिस्तान और चीन ये प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं कि जे-10सी फाइटर जेट और पीएल-15 मिसाइल के कॉम्बिनेशन से राफेल गिराया गया। पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को कुछ पश्चिमी देशों का साथ इसलिए मिल रहा है, क्योंकि ये देश इसलिए नाराज हैं कि भारत ने यूरोफाइटर को ठुकराकर राफेल चुना था। अमेरिका में नाराजगी इसबात को लेकर है कि भारत ने एफ-21 लड़ाकू विमान को छोड़कर राफेल को चुना था। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि भारत एफ-21 और एफ-35 स्टील्थ फाइटर खरीदे, इसलिए भारत और फ्रांस के रिश्ते पर अविश्वास फैलाने के अलावा राफेल को भी खराब बताया जा रहा है। चीन और पाकिस्तान की मीडिया में प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है कि भारत-फ्रांस के बीच झगड़े जैसी स्थिति है। वे कह रहे हैं कि भारत का फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट एविएशन से विवाद हो गया है। उनका कहना है कि फ्रांस की एक टीम भारत में राफेल विमानों का निरीक्षण करना चाहती थी, लेकिन भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए मना कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 6 जून को एक पाकिस्तानी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस विवाद से राफेल की युद्ध में क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

भारतीय टैक्टिकल ड्रोन से अब भी दशहत में आंतकी और पाकिस्तान

नई दिल्ली।

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान आधुनिक टैक्टिकल ड्रोन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक तबाह किया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब केवल रक्षात्मक रणनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वह इजरायल की तरह आक्रामक रणनीति अपनाकर दुश्मनों को पहले ही मोर्चे पर मात देगा।

टैक्टिकल ड्रोन यानी छोटे और हल्के युद्धक ड्रोन अब युद्ध की दुनिया का नया चेहरा बन चुके हैं। ये ड्रोन बिना पायलट के चलते हैं और रियल टाइम निगरानी, लक्ष्य की पहचान और सटीक हमला करने में सक्षम होते हैं। भारत, इजरायल और तुर्की तकनीक में अग्रणी देश माने जाते हैं।

पहले भारत टैक्टिकल ड्रोन के लिए इजरायल पर निर्भर था और आईएआई सर्चर, हेरॉन और हारोप जैसे ड्रोन इजरायल से मंगाता था। लेकिन बीते दशक में भारत ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत टैक्टिकल ड्रोन निर्माण में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत में डीआरडीओ, एचएएल, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और आईडियाफोर्ज जैसी कंपनियां अत्याधुनिक ड्रोन बना रही हैं। भारत का रुसतम-2 (टपास बीएच-201) एक प्रमुख मेल ड्रोन है, जिसे निगरानी और पहचान मिशनों के लिए तैयार किया गया है। भविष्य में हथियारों से लैस करने की योजना है। वहीं, स्विच यूएवी जैसे हल्के टैक्टिकल ड्रोन पहाड़ी इलाकों और एलएसी पर निगरानी के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं।

नई रेल लाइन व विकास कार्यों के चलते रेलवे ने रद्द की कई ट्रेनें

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे ने विकास कार्यों और नई रेल लाइनें जोड़ने के चलते जून में कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा से बचने के लिए सफर पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की जानकारी जरुरी ले लें। भारतीय रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है और यह 24 घंटे लाखों यात्रियों को एक कोने से दूसरे कोने का सफर कराती हैं। रेलवे अपने नेटवर्क को बेहतर और सुचारू रूप से चलाने के लिए लगातार विकास कार्य कर रहा है जैसे नई रेल लाइनें जोड़ना या मौजूदा पटरियों का रखरखाव करना। इन कार्यों के कारण रेलवे को अक्सर रूट्स पर ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ता है या कभी कभी रद्द भी करना पड़ता है। ये विकास कार्य भविष्य में बेहतर और निर्बाध ट्रेन संचालन के लिए जरुरी हैं लेकिन तात्कालिक रूप से इनसे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक जून में रेलवे ने कुछ ट्रेनों को रद्द किया है। यात्रियों को सलाह दी है कि वे रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट एनटीईएस ऐप या हेल्पलाइन नंबर 139 पर अपनी ट्रेन का स्टेटस ज़रूर चेक करें। रद्द की गई ट्रेनों में ट्रेन नंबर 18602 हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस भी शामिल है।

11 साल में जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में आया बदलाव

पीएम मोदी ने बोले-नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे कर चुकी है। पीएम मोदी के कार्यकाल में चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर 51 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि 11 सालों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं। पीएम मोदी की ओर से उनके 11 सालों के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में इस वीडियो में बताया गया है।

उज्ज्वला योजना के तहत लाखों महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले, जिससे उनकी सेहत और जीवनशैली में सुधार आया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आसान ऋण प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान स्वामित्व ने उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया। इन योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति में भी योगदान दिया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वह दौर भी देखा है, जब उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज वह ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 सालों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं। दूसरी पोस्ट में लिखा- पिछले 11 सालों में एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया है। स्वच्छ भारत के जरिए से सम्मान देने से लेकर जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों ने हमारी नारी शक्ति को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

वायूसेना ने बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचाए लिवर-कॉर्निया, पांच लोगों की बचाई जिंदगी

बेंगलुरु।

भारतीय वायूसेना दिन-रात देश की सेवा में तत्पर रहती है। जहां जैसी जरुरत होती है वैसी भूमिका निभाती है। हाल ही में वायूसेना ने 5 लोगों की जिंदगी बचाई है। दरअसल, बेंगलुरु में एक ऐसे मरीज के अंगों को देश के विभिन्न हिस्सों में भेजकर पांच लोगों को नया जीवन दिया गया। इस मरीज को शुक्रवार को चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। इस अभियान के तहत भारतीय वायुसेना के विमान द्वारा एक गुर्दे और एक कॉर्निया को हवाई मार्ग से बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचाया गया। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में समन्वित अभियान का विवरण और अंगों को हवाई मार्ग से ले जाए जाने की तस्वीरें साझा कीं। इस पोस्ट में आगे कहा गया है कि 'ग्लेनईगल्स बीजीएस अस्पताल' में लिवर का सफलतापूर्वक प्रतिरोपण किया गया। भारतीय वायुसेना ने पोस्ट में कहाकि यह अभियान 'जीवनसार्थकथे कर्नाटक' के साथ मिलकर किया गया। यह सशस्त्र सेना चिकित्सा समुदाय की असाधारण प्रतिबद्धता और चिकित्सकीय क्षेत्र में विशेषज्ञता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना की इस पोस्ट में कहा गया कि वायु सेना ने 'कमांड हॉस्पिटल एयर फोर्स बेंगलुरु' (सीएचएएफबी) के जरिए जीवनरक्षक प्रतिरोपण को संभव बनाने और विभिन्न स्थानों पर अंगों को पहुंचाने में मदद की। इसमें कहा गया कि शुक्रवार को ब्रेन डेड घोषित किया गया मरीज पांच लोगों को नया जीवन दे गया। भारतीय वायुसेना के अनुसार, एक गुर्दे और एक कॉर्निया को दिल्ली के सैन्य अस्पताल में भेजा गया। दूसरे गुर्दे, कॉर्निया, त्वचा के प्रतिरोपण की प्रक्रिया बेंगलुरु के विक्टोरिया हॉस्पिटल की मेडिकल टीम के सहयोग से सीएचएएफबी में की गई।

पाकिस्तान के सूखने लगे डेम, भारी जल संकट के चलते मची त्राही-त्राही

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जो शिकंजा कसा है उससे वहां त्राही त्राही मचना शुरु हो गई है। सूखे जैसे हालात का सामना कर रहे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की स्थिति आने वाले समय में और भी गंभीर हो सकती है। भारत की ओर से पश्चिमी नदियों पर नियंत्रण बढ़ाने के कदमों का असर पाकिस्तान में गंभीर जल संकट के रूप में उभर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, इस हफ्ते पाकिस्तान के सिंधु बेसिन में बांधों से छोड़े जा रहे जल प्रवाह में लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में कम है।पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, यह संकट खरीफ सीजन (जून-सितंबर) की शुरुआत में ही 21प्रतिशत जल की कमी को दर्शाता है। माराला (सियालकोट, पंजाब) में 5 जून को चिनाब नदी का औसत जल प्रवाह केवल 3,064 क्यूसेक रह गया, जबकि 28 मई को यह 26,645 क्यूसेक था। एक शीर्ष सरकारी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि स्थिति गंभीर है, खासकर जून से सितंबर तक की खरीफ फसल के लिए। मानसून के आगमन से कुछ राहत की उम्मीद जरूर है, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका होगा।5 जून को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वॉटर रिलीज गिर कर 1.24 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी तारीख को 1.44 लाख क्यूसेक था। तरबेला डैम (खैबर पख्तूनख्वा) में जलस्तर 1,465 मीटर पर पहुंच चुका है, जबकि इसका डेड लेवल 1,402 मीटर है। चश्मा डैम (पंजाब) में जलस्तर 644 मीटर है, जो डेड लेवल 638 मीटर से मुश्किल से ऊपर है। मंगला डैम (मीरपुर, झेलम नदी) का जलस्तर 1,163 मीटर तक पहुंच चुका है, जो डेड लेवल 1,050 से थोड़ा ही ऊपर है। बता दें कि डेड लेवल जलस्तर की वह सीमा होती है, जिसके बाद पानी को डैम से छोड़ा नहीं जा सकता है।

भारत ने पिछले कुछ समय में सिंधु जल संधि को लेकर रुख सख्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई को गुजरात में कहा था, पानी पर हमारे लोगों का अधिकार है। अभी हमने बस साफ-सफाई शुरू की है और वहां (पाकिस्तान) हड़कंप मचा है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि संधि अस्थायी रूप से निलंबित है और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते की नीति पर अमल किया जा रहा है। अब तक पाकिस्तान इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए चार पत्र भेज चुका है, लेकिन भारत ने अपने रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर नए खुलासेः पाकिस्तान को घुटने के बल पर लाने के लिए चले कई दांव

नई दिल्ली।

आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर उनके ठिकानों को तबाह कर दिया।

इस ऑपरेशन से पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ और इंटरनेशनल लेवल पर प्रमाणित हो गया कि आतंक की जड़ पाकिस्तान ही है।

ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा हो गया है। इस अवसर पर शनिवार शाम को राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकार और सैन्य प्रमुख जश्न मना रहे थे। मिली जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने तीनों सेनाओं को हथियारों और मिसाइलों की नई खेप खरीदने की अनुमति दे दी है। इसमें लम्बी दूरी की लोइटरिंग गोला-बारूद, आर्टिलरी शेल, कामिकाजे ड्रोन और बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलें शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, सेना की कार्रवाई और सैटेलाइट तस्वीरों से यह पुष्टि हुई है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम ने चीन द्वारा निर्मित चार पाकिस्तानी लड़ाकू विमान और दो बड़े सैन्य विमान को मार गिराया।

सूत्रों ने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना ने 11 पाकिस्तानी एयरबेस जिनमें सरगोधा, रफीकी, जैकबाबाद और नूर खान शामिल हैं, पर सटीक मिसाइल हमले किए। इन हमलों में दो एफ-16 लड़ाकू विमानों को आंशिक क्षति हुई है।सात से दस मई के बीच भारत ने पाकिस्तान और पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) में 13 एयरबेस व सैन्य ठिकानों और 9 आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया। सेना के आकलन के मुताबिक इस ऑपरेशन में कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए।

इस दौरान इजरायली और पोलिश ड्रोन, लोइटरिंग गोला-बारूद और नेवी की स्ट्राइक क्षमताएं भी इस मिशन में सक्रिय रहीं। पाकिस्तान ने इस हमले के जवाब में ऑपरेशन बुनीयन-उल-मर्सूस की शुरुआत की, लेकिन वह महज 8 घंटे में धराशायी हो गया।

पहला कॉलम

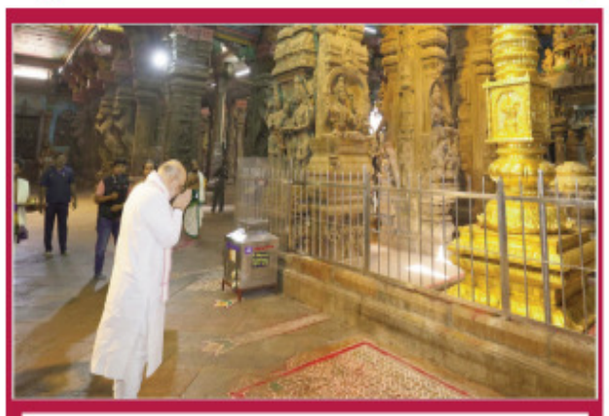

मीनाक्षी मंदिर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पूजा-अर्चना की

चेन्नई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडू के मदुरै में मौजूद मीनाक्षी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर के पुजारियों ने केंद्रीय गृहमंत्री शाह का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। मदुरै अधीनम के पुजारी श्री ला श्री हरिहर श्री ज्ञानसंबंद देसिका स्वामीगल ने शाह को भगवा रंग की शॉल और आध्यात्मिक पुस्तकें भेट कीं। शाह ने नैनार नागेंद्रन और केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन सहित भाजपा नेताओं के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। शाह के दौरे के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

1 मीटर में दो लोगों से ज्यादा की अनुमति नहीं

भगदड़ को रोकने के लिए नए नियम

नई दिल्ली।

भारत में पिछले महीनो में बड़ी भगदड़ की दुर्घटनाएं हुई हैं। जिन में बडी संख्या में लोगों की मौत हुई है। इसको देखते हुए भगदड़ को रोकने के लिए नए नियम बनाए जा रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ से लेकर बेंगलुरु में हाल ही में हुई भगदड़ की घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। घटना के बाद सरकार का ध्यान इस तरफ गया है। भीड़ प्रबंधन के विशेषज्ञों का कहना है, जिस स्थान पर भीड़ एकत्रित हो रही हो। वहां के लिए नया ग्रेड रिस्पांस एक्शन प्लान तैयार किया जाना चाहिए। ताकि भगदड़ जैसी दुर्घटनाएं भविष्य में ना हो। भीड़ प्रबंधन के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर सबसे बड़ी जरूरत है।मेला, उत्सव, धार्मिक यात्राएं, कथा, खेलकूद राजनीतिक रेलियां, सभाएं, सांस्कृतिक आयोजन, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड जैसे भीडभाड़ वाले स्थान पर नियमों का पालन जरूरी हो। आयोजक और परमिशन देने वाले दोनों के लिए नियम तैयार किये जा रहे हैं।आयोजन स्थल पर एक व्यक्ति पर एक मीटर अधिकतम 2 से अधिक व्यक्तियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। भीड़भाड़ वाले स्थान में एक इन और एक आउट के दो द्वारा होंगे। भीड़ को रोकने के लिए बैरिकेट्स, सीसीटीवी,ड्रोन इत्यादि की भी तैनाती की जाएगी। कहीं एकाएक भीड़ बढ़ती है। एक मीटर जगह पर दो से अधिक व्यक्ति एकत्रित होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़ को आगे बढ़ने से रोका जाएगा। इसके लिए जो सुरक्षा बल तैनात हैं। उन्हें निरंतर सूचनायें मिलती रहे। इसका प्रावधान किया जा रहा है। सुरक्षा में लगे हुए पुलिस के जवान और स्वयंसेवक भीड़ बढ़ने की दशा में अन्य स्थानों पर किस तरह से डायवर्ट करें, इसकी भी ट्रेनिंग जरूरी की जा रही है।भीड़ को यदि रोका जा रहा है। तो उसको कारण भी बताए जाने की बात नियमों में है। जहां पर भीड़ एकत्रित हो रही है। वहां पर अफवाहों को रोकने के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किए जाने की जिम्मेदारी तय की जाएगी। आईआईटी मद्रास पिछले 2 सालों से भीड़ को नियंत्रित करने की दिशा में काम कर रही है। आईआईटी मद्रास ने रियल टाइम भीड़ का बर्ताव समझने का एक मॉडल तैयार किया है। महाराष्ट्र के पंढरपुर में आषाढ़ एकादशी को होने वाली भीड़ को संभालने के लिए प्लान तैयार किया गया है। यहां पर 12 से 15 लाख श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर पीएस महापात्र तथा प्रोफेसर महेश पंचनगुला के नेतृत्व में संस्थान की टीम ने माप और गणना के आधार क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया है। पुलिस को साइंटिफिक क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम को लागू करने की अनुशंसा की है। पिछले दो वर्षों में पंढरपुर में भगदड़ से संबंधित कोई दुर्घटना नहीं हुई। आईआईटी चेन्नई ने विज्ञान आधारित भीड़ को नियंत्रित करने की जो प्रबंधन प्रणाली तैयार की है उसके आधार पर भविष्य में होने वाले आयोजनों की अनुमति दिए जाने की प्रक्रिया निष्पादित की जाएगी। ताकि भगदड़ से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

देश को मिली आजादी सभी का सामूहिक प्रयास, किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं : भागवत

नागपुर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की सामूहिक प्रकृति पर जोर देकर कहा कि देश की आजादी 1857 के विद्रोह से शुरू हुए व्यापक प्रयासों का परिणाम थी, न कि किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि थी। भागवत ने कहा कि हमेशा से इस बात पर बहस होती है कि देश को आजादी किसके प्रयासों से मिली। लेकिन वास्तविकता यह है कि यह आजादी किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं मिली। इस आजादी के लिए प्रयास 1857 में शुरू हुए और हर जगह आग भड़क उठी, उसके बाद, यह आग कभी शांत नहीं हुई। प्रयास जारी रहे और सभी के सामूहिक प्रयासों से आखिरकार हमें अंग्रेजों से आजादी मिली।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ की दिशा सामूहिक विचार से तय होती है, संघ का काम एक या दो लोगों का काम नहीं है, संघ जो भी करता है और जो भी कहता है, वह सामूहिक निर्णय होता है। इसके पहले संघ प्रमुख ने पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले की कड़ी निंदा की थी और भारतीय सेना की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की सराहना की थी। साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक ताकतों से घटना के बाद उभरी एकता की भावना को बनाए रखने का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा, पहलगाम में एक बर्बर हमला हुआ। आतंकवादी हमारे देश में घुसे और हमारे नागरिकों को मार डाला। हर कोई दुखी और क्रोधित था और अपराधियों के लिए कड़ी सजा चाहता था। वास्तव में कार्रवाई की गई...इस संबंध में, हमारी सेना की क्षमता और बहादुरी फिर चमक उठी। उन्होंने कहा कि हम सभी राजनीतिक दलों की आपसी समझ और सहयोग को भी देख रहे हैं, जो सभी मतभेदों को भुला रहे हैं...अगर यह स्थायी हो जाए और मुद्दों के पुराने होने के साथ-साथ फीका न पड़े,

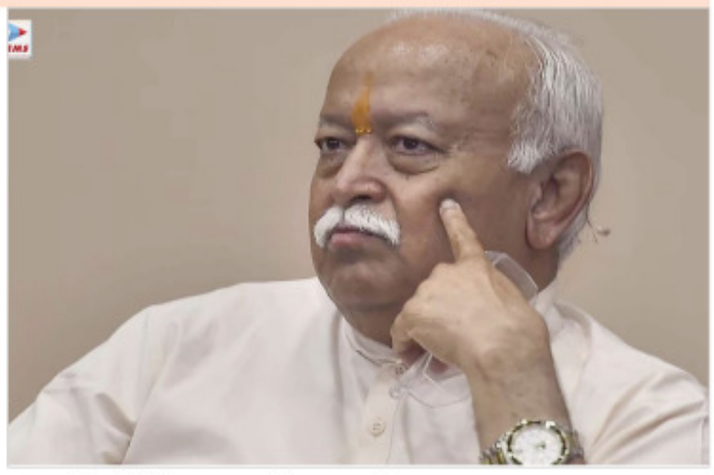

तब यह देश के लिए बहुत बड़ी राहत होगी।

भारतीय सांसदों ने पाक को किया बेनकाब, अब जयशंकर समझाएंगे पूरी बात

भारत की विदेश नीति में आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराएंगे

नई दिल्ली।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों और उनको संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकवादियों के शिविरों को तबाह कर दिया।

पाकिस्तान ने जब भारतीय सैन्य बेस और आमलोगों को निशाना बनाने की कोशिश की तो भारतीय एयरफोर्स ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के 11 एयरबेस को टारगेट कर उसे व्यापक नुकसान पहुंचाया। भारत ने इसके बाद पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनाकब करने सभी दलों के सांसदों और डिप्लोमेट्स की 7 टीमें बनाकर उन्हें दुनिया के कई देशों में भेजा। इंडियन डेलिगेशन ने अमेरिका से यूरोप तक का दौरा कर पाकिस्तान के काले चेहरे को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया। अब विदेश मंत्री ए जयशंकर ने खुद कमान संभाल ली है। वे यूरोप की एक सप्ताह की लंबी यात्रा पर निकल गए हैं। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के साथ ही आतंकवाद का मुद्दा भी एजेंडे पर रहेगा।

जयशंकर रविवार 8 जून 2025 को फ्रांस, यूरोपीय यूनियन और बेल्जियम के लिए रवाना हुए। वे यहां एक सप्ताह का वक्त बिताएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की विदेश नीति में आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस के रुख को दोहराना और प्रमुख रणनीतिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देना है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर जैसी निर्णायक कार्रवाई की थी। जयशंकर अपने दौरे की शुरुआत फ्रांस से करेंगे। फ्रांस को भारत का 'ऑल-वेदर फ्रेंड' माना जाता है। जयशंकर पेरिस और मार्सेई जाएंगे, जहां वे अपने समकक्ष यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वे मार्सेई में हो रहे 'मेडिटेरेनियन रायसीना डायलॉग' में भी हिस्सा लेंगे।

फ्रांस के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुई है और इस दौरे से इसमें और मजबूती की उम्मीद की जा रही है। दौरे के दूसरे चरण में विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रसेल्स जाएंगे, जहां वे यूरोपीय संघ की हाई रिप्रेजेंटेटिव के साथ रणनीतिक बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ सालों में विविध क्षेत्रों में मजबूत हुई है और इसे इस साल फरवरी में यूरोपीय कमीशन के कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की भारत यात्रा से और बढ़ावा मिला है। जयशंकर यूरोपीय आयोग और यूरोपीय संसद के सीनियर नेताओं से भी मिलेंगे और थिंक टैंकों और मीडिया से संवाद करेंगे।

यूरोप के दौरे के अंतिम चरण में जयशंकर बेल्जियम जाएंगे। जहां वे उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवोट से द्विपक्षीय चर्चा करेंगे और अन्य शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। भारत और बेल्जियम के बीच व्यापार, हरित ऊर्जा, फार्मा, हीरा उद्योग और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग मजबूत रहा है।

चिराग पासवान का बड़ा ऐलान, कहा

एनडीए की मजबूती के लिए मेरी पार्टी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

भोजपुर।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह लड़ाई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से लड़ी जाएगी। भोजपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी तरह से एनडीए से अलग नहीं है, बल्कि उनका लक्ष्य गठबंधन को और अधिक मजबूती देना है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी और मैं बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे ताकि एनडीए को मजबूती मिले और हम एकजुट होकर विजय की ओर बढ़ें। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी दोहराया कि एलजीपी (रामविलास) हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास रखती है।

9 दिन में कोरोना से 58 मौतें, 3423 केस बढ़े

अकेले केरल में 2000 मरीज, गुजरात सरकार अलर्ट पर; देश में एक्टिव केस 6000 पार

नई दिल्ली।

देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शनिवार को 378 नए केस मिले हैं। इस तरह एक्टिव केसों की संख्या 6133 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1950 केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 9 दिन में 3423 कोरोना केस बढ़े, जबकि 58 लोगों ने जान गंवाई है। 30 मई तक देश में 2710 एक्टिव केस और 7 मौतें हुई थीं। देश में कोरोना वायरस के हर दिन करीब 400 नए केस सामने आ रहे और 5-6 मरीजों की मौत हो रही है। शनिवार को केरल में 3, कर्नाटक में 2 और तमिलनाडु में कोरोना से एक मौत हुई है। इधर, राज्य में तेजी से बढ़ रहे केसों के बीच गुजरात सरकार ने कहा- हम कोविड से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और ड्डष्ट बेड की व्यवस्थाएं कर ली हैं। स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा- मौजूदा वैरिएंट ओमिक्रॉन वायरस कोविड परिवार का ही है, लेकिन यह इतना गंभीर नहीं है। हम अलर्ट पर हैं, किसी भी स्थिति को नियंत्रित कर सकते हैं।

श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

सितंबर से जम्मू से श्रीनगर तक चलेगी वंदे भारत

जम्मू।

उत्तर रेलवे ने श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शनिवार को शुरू हुआ। यह रेल सेवा रियासी जिले के कटरा कस्बे को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद साल सितंबर 2025 में जम्मू से घाटी तक रेल संचालित होगी। अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को इस क्षेत्र में तापमान की चरम सीमाओं और मौसम की अनिश्चितताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। वातानुकूलित और केंद्रीय रूप से गर्म, केबिन में चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, यात्रियों के लिए भोजन की सुविधा और ड्राइवर की विंडशील्ड के लिए डीफॉस्टिंग तकनीक ट्रेन में दी गई हैं। जहां कटरा से श्रीनगर तक सड़क मार्ग से आठ घंटे का समय लगेगा। वहीं वंदे भारत ट्रेन कटरा से श्रीनगर तक तीन घंटे का समय लेगी। कटरा और श्रीनगर के बीच रेल ट्रैक पर 36 सुरंगें और सैकड़ों पुल हैं, जिसमें चिनाब रेलवे पुल भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है और पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। इस रेल लिंक पर अंजी केबल-स्टेड ब्रिज देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है। इन दोनों पुलों को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है, जिसके लिए भारतीय रेलवे ने दुनिया भर से सराहना अर्जित की है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि वाणिज्यिक परिचालन का पहला दिन सुचारू रूप से चला और ट्रेनें शाम तक अपने गंतव्य तक पहुंच गईं। अधिकारियों ने बताया कि मांग के आधार पर मालगाड़ी भी ट्रैक पर चलेगी। कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेलवे लिंक की वजह से कश्मीर के सेब उत्पादक सबसे ज्यादा लाभान्वित होने वाले हैं।

सिद्धू मूसेवाला की डॉक्यूमेंट्री पर विवाद

मानसा।

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला पर बनी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पिता बलकौर सिंह ने चैनल की तरफ से बनाई गई डॉक्यूमेंट्री पर कड़ा एतराज जताते हुए लीगल नोटिस भेजा है। इसके साथ ही मुम्बई पुलिस के डीजीपी व जुहू पुलिस को पत्र लिखकर 11 जून को जुहू स्थित सोहो हाउस में प्रस्तावित स्क्रीनिंग को रोकने की मांग की है। जानकारी अनुसार, मूसेवाला के परिवार के लीगल काउंसलर गुरबिंदर सिंह ने डॉक्यूमेंट्री की प्रोड्यूसर और सीरीज प्रोड्यूसर को कानूनी नोटिस भिजवाया है। जिसमें पिता बलकौर सिंह ने आरोप लगाया है कि डॉक्यूमेंट्री में सिद्धू मूसेवाला से जुड़ी अप्रकाशित सामग्री, निजी जानकारियां और हत्या से जुड़ी जांच को बिना परिवार की अनुमति के दिखाया जा रहा है। उन्होंने इसे न केवल अवैध, बल्कि मानसिक रूप से पीड़ादायक और भारतीय कानूनों का उल्लंघन बताया है।

कैप्टन शुक्ला को पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने दिया खास संदेश

नई दिल्ली।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 10 जून को अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बनने को तैयार हैं। इस बीच उन्हें पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले भारतीय रिटायर विंग कमांडर राकेश शर्मा ने खास संदेश दिया है। शर्मा ने कहा कि मैं उसकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दूंगा और कहूंगा कि वहां वह जो कुछ भी देखे उसके लिए तैयार रहे। शर्मा ने कहा, मैं शुभांशु को शुभकामनाएं देता हूं, उन्हें अंतरिक्ष में लेंडिंग करने की शुभकामनाएं और आप जो कुछ भी देखने जा रहे हैं, उसके लिए तैयार रहें.. मैं यही बताने जा रहा हूं कि जब आप अंतरिक्ष से वापस आते हैं, तब एक बदले हुए व्यक्ति के रूप में आते हैं। जब आप वापस आते हैं तब शुरुआत में नहीं लेकिन कुछ सालों के बाद आप समझते हैं कि हमारी धरती के साथ क्या हो रहा है। यह आपको अहसास दिलाता है कि आपको कहां जाना चाहिए.. अंतरिक्ष में की जा रही खोजें कहां तक और कैसे बढ़नी चाहिए .. अंतरिक्ष यात्रा आपको बदल देती है। शर्मा ने कहा, ग्रुप कैप्टन शुक्ला का एक्सिओम-4 मिशन भारत के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि शुक्ला को और उनकी पूरी टीम को अंतरिक्ष स्टेशन में रहने का मौका मिलेगा। उनकी यह यात्रा एक लंबी उड़ान है। 14 दिन वहां पर रहने के बाद वह जो कुछ भी सीखेगा.. या जो कुछ भी करेगा उसके इनपुट के आधार पर हमें भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन प्रोजेक्ट में मदद मिलेगी। उनका यह मिशन हमारे आने वाले मिशन को पूरा करने में मदद करेगा। यह काफी दिलचस्प होने वाला है।

जी-7 से पहले खालिस्तान समर्थकों ने पीएम मोदी को दी धमकी

सम्मेलन में पीएम मोदी की राजनीति को खत्म कर देंगे

नई दिल्ली।

कनाडा में होने वाली जी-7 समिट से पहले खालिस्तानी आतंकियों ने पीएम नरेंद्र मोदी को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि वे इस सम्मेलन में पीएम मोदी की राजनीति को खत्म कर देंगे। कनाडा के खोजी पत्रकार ने यह खुलासा किया है। पत्रकार मोचा बेजिरगान लंबे समय से उत्तर अमेरिका में खालिस्तान समर्थित गतिविधियों को कवर करते रहे हैं। उसने बताया कि, उसे खालिस्तानियों द्वारा धमकाया भी गया। पत्रकार मोचा बेजिरगन ने बताया कि वैंकूवर शहर में साप्ताहिक रैली के दौरान वीडियो बनाते समय उन लोगों ने उन्हें घेर लिया था। मोचा ने बताया कि कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों का भारतीय नेताओं के प्रति खतरा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह वैंकुवर में खालिस्तानी समर्थकों की एक रैली को कवर कर रहे थे, उस दौरान उन पर हमला हुआ। खालिस्तानी समर्थकों ने उनका गला दबाने की कोशिश की। फोन छीन लिया और उनको रिकॉर्डिंग करने से रोका। उनके साथ मारपीट भी की। ऐसा उनके साथ पहली बार हुआ।

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या सेलिब्रेट कर रहे

पत्रकार ने बताया कि रैली में खालिस्तानी समर्थक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को सेलिब्रेट कर रहे थे और कह रहे थे कि वे भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की पॉलिटिक्स को जी 7 में खत्म कर देंगे। वे खुद को इंदिरा गांधी के हत्यारों का अनुयायी बता रहे थे। उन्होंने कहा कि जब मैंने उनसे (खालिस्तान समर्थकों) से पूछा कि क्या आप उनकी राजनीति को उसी तरह खत्म करने जा रहे हैं, जिस तरह आपने इंदिरा गांधी की राजनीति को खत्म किया था? क्योंकि वे हत्यारों को अपने पूर्वज बताते हैं। वे कहते हैं कि हम इंदिरा गांधी के हत्यारों के वंशज हैं और वे हिंसा के इन कृत्यों का महिमामंडन कर रहे हैं।

कनाडाई नेता दे रहे साथ

मोचा ने कहा कि यह जानकर अफसोस होता है कि कनाडाई नेता इनका साथ दे रहे हैं। वे इनका इतिहास जानते हुए भी ऐसा कर रहे हैं। एक नागरिक होने के नाते मैं उम्मीद करता हूं कि राजनेताओं को इनसे दूर रहना चाहिए। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड में

खालिस्तानी प्रदर्शनों का दस्तावेजीकरण करने वाले बेजिरगन ने कहा कि रविवार को उन्हें डराने धमकाने वाली भीड़ का नेतृत्व एक आंदोलनकारी कर रहा था, जो उन्हें पहले भी ऑनलाइन परेशान कर चुका है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित। (इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717